मेरा अनुभव (Tech Tips & ...)

... मिथिलेश की कलम से मातृभाषा में

ईश्वर एवं गुरुओं को नमन! माता-पिता ने कंप्यूटर इंजीनियरिंग में एडमिशन करा तो दिया, किन्तु यह कहते हुए बड़ा अफ़सोस होता है कि इंजीनियरिंग में पढ़े गए सब्जेक्ट से इंडस्ट्री और जॉब का कुछ लेना- देना नहीं निकला. इसलिए, इस संकलन में आपको मेरे पिछले 8 साल के अनुभव ही मिलेंगे. लेखों के रूप में ये अनुभव निश्चय ही आपका मार्गदर्शन करेंगे. इसके अतिरिक्त आज की जीवनचर्या में कंप्यूटर, इंटरनेट, सोशल मीडिया, मेल इत्यादि जरूरी विषय हो गए हैं और आप भी इन सभी के बारे में काफी कुछ जा नते हैं, इसलिए इस फाइल में सामान्य बिन्दुओं की बजाय उन पर ध्यान देने की कोशिश की गयी है , जो जानकारी के लिहाज से छुपे हुए हैं अथवा जो सुरक्षा के लिहाज से अत्यधिक आवश्यक हैं या फिर स्कोप के हिसाब से जिनका प्रयोग बहुतायत में होने वाला है . मैंने इसकी भाषा सामान्य रखने की कोशिश की है , जो एक सामान्य इंटरनेट उपभोक्ता के लिए तो उपयोगी है ही, साथ ही साथ वेबसाइट, सोशल मीडिया इत्यादि व्यवसाय में शुरूआती स्तर पर गाइड करने वाला भी है यदि कोई विषय छूट गया हो, तो आप मुझे जरूर बताएं , ताकि उसे आगे सम्मिलित किया जा सके . बाकि आपकी प्रतिक्रिया मेरे लिए सर्वश्रेष्ठ उत्साहवर्धन है.

आपका अपना- मिथिलेश (www.mithilesh2020.com)

समर्पण

यूं तो कोई कृति सामने आने में जर्रे से कायनात तक , सभी का महत्वपूर्ण योगदान होता है, किन्तु भविष्य की ओर देखते हुए मैं उन प्रयासों को यह संकलन समर्पित करना चाहूंगा, जो आगे चलकर एक बड़ी आबादी को दिशा दे सकती है . जी हाँ! आर्थिक युग में आज इस बात की जरूरत है कि देश की आधी आबादी , यानि महिलाएं अर्थतंत्र को समझने में सक्रीय भूमिका निभाएं . हालाँकि इसकी शुरुआत कई क्षेत्रों में शुरू हो चुकी है , किन्तु यह कई बार असंतुलित रूप में सामने आती है . मसलन, औरतों को घर या नौकरी में से कई बार एक विकल्प चुनने के लिए मजबूर होना पड़ता है और यह स्थिति तब और दुखदायी हो जाती है , जब वह मातृत्व की ओर कदम बढाती हैं . इन स्थितियों से निपटने के लिए हमें निश्चित रूप से अपनी पु रानी पारिवारिक व्यवस्था 'संयुक्त परिवार' की कमियों को दुरुस्त करके पुनर्जीवन प्रदान करना होगा . वहीं सूचना तकनीक महिलाओं को उद्यमी बनाने में बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है (वर्तमान से कई सौ गुणा ज्यादा). मेरी अर्धांगिनी श्रीमती विंध्यवासिनी सिंह और मे रे छोटे भाई कौशलेश की जीवनसंगिनी श्रीमती श्वेता सिंह ने पिछले कुछ वर्षों में बेहतर परिणाम दिए हैं , निश्चय ही दोनों मोर्चों पर . यानि परिवार प्रबंधित करते हुए , सूचना तकनीक द्वारा सक्रीय उद्यमिता. ब्लॉगिंग, सोशल मीडिया प्रबंधन , कस्टमर सर्विस , टीम मैनेजमेंट में इनका प्रयास सराहनीय रहा है . इस तरह के प्रयासों को देखकर भविष्य की आशाजनक तस्वीर सामने आती है . यदि सरकारी और विभिन्न गैर- सरकारी संगठन 'संयुक्त परिवार' के मुद्दे पर ध्यान देते हुए उद्यमिता को बढ़ावा दें , तो हमारी व्यवस्था मौजूदा संशाधनों में ही आश्चर्यजनक परिणाम प्राप्त कर सकती है . आशा है, इस संकलन में दिए गए लेख और जानकारियां आपको पसंद आएँगी , साथ ही साथ यह आपकी सुविधा और सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा .

- मिथिलेश (www.mithilesh2020.com)

विषय - सूची

1. फेसबुक प्राइवेसी सेटिंग कैसे करें? (Page 6)
2. जीमेल के कुछ महत्वपूर्ण फीचर्स (Page 7)
3. अपने महत्वपूर्ण ऑनलाइन अकाउंट को रिमोटली लॉगआउट करें(Page 9)
4. वेबसाइट, ब्लॉगिंग, सोशल मीडिया, कीमत एवं सावधानियां (Page 10)
5. ऑनलाइन मार्केटिंग से कमाई एवं सावधानियां(Page 15)
6. इंटरनेट, सोशल मीडिया पर सुरक्षा (Page 18)
7. गूगल सर्च, जीमेल एवं गूगल कैलेण्डर :: कुछ अन्य फीचर्स (Page 21)
8. मोबाइल में हिंदी फॉण्ट इनस्टॉल करने के लिए विधि(Page 23)
9. कंप्यूटर फ़ास्ट करें (Page 24)
10. ब्लॉग कैसे बनाएं (स्टेप वाइज) (Page 25)
11. ट्विटर (Page 26)
12. टीमव्यूअर (Page 28)
13. अर्थोपार्जन की भाषा बने हिंदी (Page 32)
14. स्मार्टफोन को सुरक्षित रखने के कुछ टिप्स(Page 35)
15. ऑनलाइन बिजनेस शुरू करने की प्लानिंग(Page 37)
16. ऑनलाइन डाटा स्टोरेज (Page 42)
17. ब्राउज़र में सेव पासवर्ड भी देख सकते है(Page 43)
18. वर्ड और एक्सेल डॉक्यूमेंट में पासवर्ड(Page 45)
19. वेबसाइट का बिजनेस कैसे शुरू करें(Page 46)
20. मोबाइल के मेसेज, कांटेक्ट, फोटो सब अपने कंप्यूटर से नियंत्रित करें (Page 53)
21. एंड्राइड मोबाइल द्वारा लैपटॉप पर नेट चलाने का तरीका(Page 54)

22.देर तक कैसे करें कंप्यूटर में काम (Page 55)
23.स्मार्ट ऑनलाइन उपभोक्ता बनें (Page 57)
24.क्या भ्रष्टाचार को लेकर आप गुस्सा हैं (Page 59)
25.नौकर या उद्यमी : एक विश्लेषण (Page 64)
26.परिवार एवं धन का सामंजस्य (Page 67)
27.बेटियों की दुनिया: वर्तमान सन्दर्भ (Page 69)
28.चाँद पर जाने की तमन्ना (Page 74)
29.देश के कानून से ऊपर नहीं है कोई (Page 80)
30.भारतीय समाज की कथित 'आधुनिकता' एवं कामकाजी महिलाएं (Page 83)
31.ट्रेन का टाइम (कविता) (Page 89)
32.दादी तुम रहती क्यों दूर (कविता) (Page 92)
33.IMPORTANT SOFTWAREs/ WEBSITEs (Page 94)
34.और आखिर में... (साभार) (Page **95**)

फेसबुक प्राइवेसी सेटिंग कैसे करें?

- जब आप पोस्ट करते हैं तो टेक्स्ट बॉक्स के नीचे दाहिनी ओर(पोस्ट बटन के साथ) ड्राप-डाउन से आप PUBLIC या प्राइवेट सेट कर सकते हैं
- इसके बाद आप अपनी टाइमलाइन पर ABOUT टैब में जाएं. इसमें लेफ्ट साइड में ओवरव्यू, वर्क एंड एडुकेशन, कांटेक्ट, फैमिली एंड रिलेशनशिप इत्यादि है. जब आप किसी एक पर क्लिक करेंगे तो दाहिनी ओर प्रत्येक सूचना के साथ EDIT का ऑप्सन (माउस ओवर करने पर) आ जायेगा, फिर ड्राप डाउन में आप प्राइवेसी का लेवल सेट करके सेव करें.
- इसके अतिरिक्त आपको टॉप राइट कार्नर में(नोटिफिकेशन बार के पास) एक ताले का आइकॉन दिखेगा, जिसे फेसबुक का 'प्राइवेसी शॉर्टकट' माना जा सकता है. इसको क्लिक करके आप अपने मेसेज बॉक्स और पोस्ट को नियंत्रित कर सकते हैं
- टैगिंग से लोग बड़े दुखी होते हैं अनचाहे रूप से आपकी टाइमलाइन पर कोई पिक्चर आ जाये और नोटिफिकेशन आती रहे.यह बड़ा दुखदायी होता है. आप सेटिंग में जाइये और Timeline & Tagging में आपके काम की चीज मिल जाएगी. इसमें Review posts friends tag को Enable करके सेव करना न भूलें.
- इसके अतिरिक्त सेटिंग के सिक्योरिटी टैब में आप अनजान कंप्यूटर से लॉगिन के लिए अलर्ट सेट कर सकते हैं(ईमेल, मेसेज). साथ में अपने लिए आप ट्रस्टेड कांटेक्ट सेट कर सकते हैं.जो आपातकाल में आपके मददगार साबित हो सकते हैं. यह मुख्य प्राइवेसी सेटिंग्स है फेसबुक के लिए बाकि किसी स्पेसिफिक के लिए मुझे इनबॉक्स(mithilesh2020@gmail.com) में जरूर बताइये.

जीमेल के कुछ महत्वपूर्ण फीचर्स

1990 के दशक के दूसरे चरण मे याहू और हाटमेल जैसी ईमेल सेवाएं तेजी से लोकप्रिय हुईं. बाद मे गूगल ने 2004 से अपनी ईमेल सेवा 'जीमेल' शुरू की तो अपने तमाम नए फीचर्स के चलते वह करोडों यूजर्स को अपनी ओर खींचने में सफल रही. इस ई-मेल सेवा में ऐसी कई सुविधाएं है जो दुसरे मेल सर्विस प्रोवाइडर्स में कल्पना भी नहीं की जा सकती हैं मेल भेजना, ड्राफ्ट इत्यादि तो आप जानते ही हैं, यहाँ कुछ अन्य सुविधाओं को हम बता रहे हैं

- Accounts and Import : यह सुविधा उन डोमेन ओनर्स के लिए परफेक्ट है, जो शेयर्ड होस्टिंग इस्तेमाल करते हैं शेयर्ड होस्टिंग में ईमेल के रूप में आपको Squirrel Mail या Horde का इस्तेमाल करना होता है, जो कई बार आपको दुखी कर देता है. तो आप अपनी मेल को Add a POP3 mail account you own से जाकर ऐड करें, यह आपके वेबमेल का यूजर नेम, पासवर्ड और pop / smtp की डिटेल मांगेगा. pop / smtp सर्वर सामान्यतः pop.domainname.com (पोर्ट:110) होता है और smtp.domainname.com (पोर्ट:25). फिर आप आराम से अपनी वेबमेल को जीमेल की सुविधाओं के साथ इस्तेमाल कीजिये
- इस सर्वाधिक महत्वपूर्ण सुविधा के अतिरिक्त, जीमेल सेटिंग्स में सिग्नेचर सेट करना, ऑटो रिप्लाई सेट करना, लेबल सेट करना, इनबॉक्स की प्रायोरिटी सेट करना, फ़िल्टरिंग और मेल सेट करना, मेल फॉरवार्डिंग करना, थीम सेट करना और सबसे महत्वपूर्ण जीमेल ऑफलाइन चलाना इत्यादि सुविधाएं आप देखते ही समझ जायेंगे, अन्यथा नीचे की तस्वीरें देखिये
- इसके अलावा जीमेल लैब्स आपको कुछ ऐसी विशेष सुविधाएं देती हैं, जिसको इस्तेमाल करते ही आप वाह कर उठेंगे. बस लैब वाली टैब में जाकर आपको

इन सर्विसेस को Enable करना है.

- Undo Send का मतलब यदि आपसे मेल भेजते समय गलती से जल्दबाजी में सेंड बटन दब जाए या आप को मेल भेजने के 10 सेकंड तक यह अहसास हो कि आपको यह मेल नहीं भेजनी थी या उसमें कुछ और जोड़ना है तो इस फीचर को चाट में इनेबल करें

- इसी प्रकार Unread message icon आपके ब्राउज़र के ऊपर ही unread मेल्स की संख्या बता देगा और आप यदि किसी और टैब में काम कर रहे हैं तो भी आपको जीमेल वाली टैब में नयी आयी मेल्स का पता चल जायेगा

- एक और महत्वपूर्ण फीचर आप क्रोम में http://www.boomeranggmail.com/ से इंस्टॉल कर सकते हैं इसके माध्यम से आप अपनी मेल को शिड्यूल कर सकते हैं समय सेट करके अपनी इनबॉक्स में वापस बुला सकते हैं

- मिथिलेश
(www.mithilesh2020.com)

अपने महत्वपूर्ण ऑनलाइन अकाउंट को रिमोटली लॉगआउट करें

- अगर आप किसी सिस्टम पर अपनी जीमेल की आईडी को Sign Out करना भूल गये है, तो आप किसी दुसरे सिस्टम पर खुली हुई आईडी को बंद कर सकते है। इस के लिए आप जीमेल में लोगिन करें और सबसे नीचे दाहिनी ओर आपको Last account activity दिखेगा, जहाँ आपको Details पर क्लिक करना है, फिर उसके बाद एक पॉपअप खुलेगा, जहाँ Sign out all other sessions पर क्लिक करने के बाद आप पुनः सुरक्षित हो जायेंगे
- जीमेल की तरह फेसबुक की आईडी को Sign out करने का तरीका भी बहुत आसान है अपनी फेसबुक आईडी को लॉग इन करे इसके बाद ऊपर राईट साईट सेटिंग पर क्लीक करके Account Settings में जाएं। इसके बाद Security पर क्लीक करें। सबसे नीचे Where You're Logged In लिखा दिखाई देगा, फिर आपको End All Activity क्लिक करना होगा. अब आप निश्चिन्त हो जाइये
- इसके अतिरिक्त भी फेसबुक में एक और प्रावधान है जो प्रत्येक डिवाइस से आपको लॉगआउट कर देगा, इसके लिए आपको अपना फेसबुक का पासवर्ड चेंज करना होगा, चेंज करने के बाद तुरंत फेसबुक ऑप्शन देगा कि
  -log me out of other devices [इस ऑप्शन को सेलेक्ट करके Submit करें]
  -keep me logged in
- इसी तरह से ट्विटर / लिंक्डइन में भी आपको अपना पासवर्ड चेंज करना होगा और ऐसी किसी आपात स्थिति में आप दुसरे कंप्यूटर से अपने Twitter / Linkedin अकाउंट को सुरक्षित कर पाएंगे

वेबसाइट, ब्लॉगिंग, सोशल मीडिया, कीमत एवं सावधानियां

- You want to make a Website?
- You already own a website, but having a lot of issues, related?
- Price Confusion?

वेबसाइट क्यों? (वृहत्तर विजिटिंग कार्ड): शुरूआती स्तर पर वेबसाइट को आप एक तरह का विजिटिंग कार्ड मान सकते हैं, जो आपकी अनुपस्थिति में भी आपका या आपके पेशे का वृहद परिचय सामने वाले व्यक्ति को देगा जब आप किसी से मिलते हैं और उसको अपना विजिटिंग कार्ड देते हैं तो उसमें आपके बारे में आपका फोन न., मेल और पता होता हैं यदि उसी कार्ड में आपकी वेबसाइट लिखी हैं तो सम्बंधित व्यक्ति आपके बारे में काफी कुछ जान कर आपसे अवश्य भी प्रभावित हो जायेगा. अपनी वेबसाइट के बारे में आप सामने वाले व्यक्ति को फोन द्वारा एक शब्द में बता सकते हैं

ब्लॉग/ फेसबुक/ ट्विटर एवं वेबसाइट में भिन्नता: सबसे बड़ी भिन्नता इसके प्रोटोकॉल को लेकर है. निश्चित रूप से यह सभी माध्यम बड़े ही उपयोगी हैं किन्तु सभी के लिए इनकी उपलब्धता समान होने के कारण आपकी विशिष्टता कायम नहीं रह पाती है. इसके अतिरिक्त आप इन सभी को अपने विजिटिंग कार्ड पर छापने में कठिनाई महसूस करेंगे मार्केटिंग की दृष्टि से भी यह बहुत उपयुक्त नहीं है, क्योंकि इन माध्यमों पर (विशेषकर सोशल मीडिया पर) ट्रैफिक बहुत जल्दी आता है और आकर चला भी जाता हैं बल्कि कई लोग सोशल प्लेटफॉर्म का ट्रैफिक मोड़कर अपनी वेबसाइट पर लाते हैं जो एक समझदारी भरा निर्णय है सोशल मीडिया को आप यदि कोई मार्केटप्लेस(सड़क) मान लें, तो वेबसाइट उस

मार्केटप्लेस में स्थित आपकी दूकान हैऔर सामान तो तभी बिकेगा जब ग्राहक आपकी दूकान में आएगा यदि ऑडिएंस को ग्राहक मान लें तो वेबसाइट आपकी दूकान है, जहाँ ग्राहक आपके सामान देखकर खरीदने को प्रेरित होगा,जबकि बाहर कन्फ़्यूजिंग-स्टेज होती है. इसके अतिरिक्त ब्लॉग या फ्री प्लेटफॉर्म्स में आपको बहुत ही सीमित डिज़ाइन की सुविधा मिलती है,जो निश्चय ही एक आकर्षक एवं इंटरैक्टिव वेबसाइट से बहुत पीछे होती है परन्तु यदि आप पैसे खर्च नहीं करना चाहते हैं अथवा आप को बहुत ज्यादे प्रचारप्रसार की आवश्यकता नहीं है, तो बिलकुल शुरूआती स्टेज के लिए ब्लॉग या फ्री प्लेटफॉर्म भी एक अच्छा माध्यम होता है.

<u>डायनामिक, स्टेटिक, सीएमएस (वेबसाइट के प्रकार)</u>: स्टेटिक वेबसाइट, एचटीएमएल की साधारण कोडिंग से बनाया जाता है,जिसमें परिवर्तन करना आम-जनमानस के लिए मुश्किल होता है, क्योंकि इसे कोडिंग, डिजायनिंग, एफटीपी की कई प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है,जो कि किसी जानकार के लिए ही मुफीद होता है. डायनामिक वेबसाइट यदि कस्टमाइज़्ड (पीएचपी/ एएसपी/ डॉटनेट में) बनी है तो शुरू में काम अच्छा ही चलता है,लेकिन यदि सर्विस देने वाली कंपनीपुरानी और मजबूत नहीं है तो दिक्कत आनी तय है,छोटी कंपनियों अथवा फ्रीलांसरों से कस्टमाइज़्ड डायनामिक वेबसाइट बनवाना अंततः नुक्सान का सौदा साबित होता है, छोटी-छोटी दिक्कतें बहुत इरिटेट करती हैं और आपका काफी समय एवं धन खर्च होता है, फिर भी कमियां रह ही जाती हैं. इसके अलावा यदि आप कंपनी या डेवलपर बीच में या बाद में भी चेंज करते हैं तो आपका पिछला सारा काम बर्बाद ही समझो, क्योंकि हर एक डेवलपर का अपना काम करने का तरीका होता ,है,जोकि निश्चित रूप से स्टैण्डर्ड नहीं होता है इसके अतिरिक्त आप यदि सीएमएस(कंटेंट मैनेजमेंट सिस्टम) के साथ जाते हैं तो आपको खर्च,सुविधाएं और ग्लोबल स्टैण्डर्ड

साथ में मिलते हैं और ऊपर स्टेटिक या कस्टमाइज़्ड डायनामिक वेबसाइट की समस्याएं हल हो जाती हैं यही नहीं, आपको इनके लिए तमाम सपोर्ट बहुत ही आसानी से उपलब्ध हो जाता है वर्डप्रेस, जुमला, द्रुपल इत्यादि पॉपुलर सीएमएस की श्रेणी में आते हैं.

गूगल, एसईओ, एडवर्ड्स, प्रमोशन: मेरे प्रोफेशनल कैरियर के दौरान जिस एक शब्द के बारे में सबसे कन्फ़्यूजिंग क़्वैरी आयी है वह गूगल सर्च और अपनी वेबसाइट के प्रमोशन को लेकर है साधारण सर्च इंजिन ऑप्टिमाइजेशन आप वेबसाइट बनाते समय, कंटेंट भरते समय भी कर सकते हैं जिसमें टाइटल सही करना, कंटेंट, इमेज की सही जगह प्लेसिंग होती है वहीं यदि आप गूगल सर्च में टॉप पर दिखना चाहते हैं या आपको किसी ने सपना दिखाया है तो आपको सावधान हो जाना चाहिए यह एक उलझाऊ फिल्ड है खासकर वेबसाइट की शुरुआत करने वालों के लिए कीवर्ड, डेंसिटी, लिंक-बिल्डिंग का बहुत ही फ्राड कारोबार मार्किट में उपलब्ध है जिस से कस्टमर बहुत ही दुखी हैं इसके लिए आपको निश्चय ही बड़े लेवल पर प्लानिंग और खर्च दोनों करना पड़ता है इससे बेहतर यदि आप गूगल के पेडएडवरटाइजिंग (एडवर्ड्स) की ओर जाते हैं तो यह कम खर्च में आपको बेहतर परिणाम दे सकता है मेरे कई ग्राहक फेसबुक पर भी अपने प्रोडक्ट की अनपेड और पेड दोनों माध्यमों से मार्केटिंग कराकर काफी खुश हुए हैं.

पैसे का खर्च और साधारण हिसाब-किताब: वेबसाइट के सन्दर्भ में मार्क्टि में यह सबसे गन्दा और भ्रम पैदा करने वाला क्षेत्र बन गया है वेबसाइट बनवाने की इच्छा रखने वाले ग्राहक के मन में निन्यानवे रूपये से लेकर लाखों रूपये का फिगर दिमाग में बना हुआ है और वह इनके बीच अंतर समझ पाने में अधिकांश

बार विफल हो जाता है इसके लिए आपको स्टेप-बाय-स्टेप बताने का प्रयास कर रहा हूँ-

- डोमेन-रजिस्ट्रेशन: इसके कई प्रकार के एक्सटेन्सन मौजूद हैं डॉट कॉम, डॉट इन, डॉट नेट ... इत्यादि. साधारण रूप में इसकी कीमत पांच–छः सौ के आस पास होती है. कई कंपनियां अपने डोमेन बेचने के लिए तमाम ऑफर भी देती हैं, जो निन्यानवे रूपये तक का होता है(इस डोमेन के टीवी पर प्रचार को लेकर भी कई ग्राहक कीमत के मामले में कन्फ्यूज हो जाते, हैं जबकि यह शुरूआती स्टेज है. हालाँकि सस्ता डोमेन देने पर इसमें कई बार उस कंपनी का प्रतिबन्ध भी होता है और अगली साल रिन्यूवल पर वह आपसे काफी ज्यादा पैसा चार्ज कर लेती हैं बिगरॉक, गोडैडी इत्यादि कंपनियां इस क्षेत्र में कार्य कर रही हैं
- वेब होस्टिंग/ स्पेस: इसमें भी डोमेन की तरह ही कन्फ्यूज स्टेज है,परन्तु साधारण वेबसाइट के लिए आपको दो हजार रूपये सालाना में बढ़िया शेयर्ड होस्टिंग मिल जाएगी, जिसमें आपको बढ़िया सपोर्ट, बैंडविड्थ और अच्छा भला मेल सर्वर मिल जायेगा हालाँकि इससे सस्ती भी होस्टिंग देने का दावा करती हैं कंपनियां, लेकिन फिर आपको उनके पीछे दौड़ना पड़ेगा. स्टैण्डर्ड प्राइस की बात करें तो याहूकॉम की डोमेनहोस्टिंग ३,५०० और बिगरॉक.इन की ३,००० रूपये सालाना है (१ वेबसाइट, शेयर्ड होस्टिंग). तमाम ऑफर इसमें भी समय-समय पर आते रहते हैं
- वेब डिज़ाइनर, डेवलपर को हायर करना: यदि आप रेडीमेड वेबसाइटबिल्डर की तरफ नहीं जाते हैं तो आपको किसी कंपनी या फ्रीलांसर को हायर करना पड़ेगा. यहाँ आप जरूर देखें कि वह कंपनी अथवा फ्रीलांसर कम से कम चार-पांच सालों से इंडस्ट्री में काम कर रहा है कि नहीं चेक करने का

बढ़िया तरीका उसके द्वारा किये गए काम होते हैं उसके कुछेक क्लायन्टों से बात करने में आप हिचकिचाएं नहीं और यहाँ ध्यान रहे कि आप 'सीएमएस' को ही प्रिफर करें. जहाँ तक कीमत की बात है साधारण वेबसाइट के लिए यह पांच हज़ार से लेकर पचास हज़ार तक हो सकता है.आप वेब डिज़ाइनर का काम, परफेक्शन, उसकी नॉलेज, सपोर्ट की व्यवस्था और पिछले काम का स्तर देखकर उसकी कीमत और दी जा रही सुविधाओं के बारे में कम्पेयर करें. कोशिश करें कि एक से अधिक वेब डिजायनरों को अपने पैमाने पर रखें, इससे आप फीचर-वाइज तुलना कर पाएंगे हाँ! किसी अन्य व्यवसाय की भांति वेब डिजायनर का व्यवहारअध्ययन भी भविष्य में आपको काफी सहूलियत दे सकता है

- मिथिलेश
(www.mithilesh2020.com)

ऑनलाइन मार्केटिंग से कमाई एवं सावधानियां

कई मित्रों ने फेसबुक पर, कई ने फोन करके मुझे पूछा कि फेसबुक से कमाई कैसे होगी. आखिर उनका काफी सारा समय इस प्लेटफॉर्म पर यूँही व्यतीत हो जाता. है जो कुछ मैंने उन्हें अलगअलग बताया, उसको आपके सामने यहाँ रखता हूँ-

1. **कंटेंट (Content is king)** : यह सिर्फ फेसबुक के लिए नहीं, बल्कि पूरे इंटरनेट व्यवसाय के लिए सत्य है यदि आप इंटरनेट के किसी भी माध्यम से पैसा कमाना चाहते हैं तो आपको अपने कंटेंट की प्रस्तुति को वजनदार रखना होगा. ओरिजिनल (original) रहे तो अच्छा, यदि न भी रहे तो उसकी प्रस्तुति(presentation) निश्चित रूप से अलग रहे इसके साथ आपके कंटेंट में सम्बंधित तस्वीरें, लिंक्स (Links), सूत्रवाक्य (quotes) इसका वजन बढ़ाने के काम आते हैं. अब एक अच्छा कंटेंट, हेडिंग के साथ तैयार करके आप फेसबुक पर डाल सकते हैं. वैसे बेहतर यह रहता है कि यह कंटेंट आप किसी ब्लॉग (Blog) पर डालें और उससे भी बेहतर रहेगा यदि आप किसी सीएमएस वेबसाइट (CMS Website) पर डालकर फेसबुक पर उसका लिंक और परिचय भर दें. फिर अच्छे कंटेंट की चाह में आपकी वेबसाइट पर फेसबुक से ट्रैफिक आ सकता है. अपनी प्रोफाइल के अतिरिक्त आप ग्रुप(fb groups) का सहारा ले सकते हैं जो एक बड़ा सोर्स है ट्रैफिक डायवर्ट करने का पेज का पेड प्रमोशन भी कई मामलों में इस्तेमाल किया जा सकता .है
2. अफिलिएट प्रोग्राम (Affiliate Program): यदि आपने कंटेंट के मामले में समझदारी दिखा दी है तो फिर आगे का रास्ता बहुत मुश्किल नहीं अधिकाँश लोग यहीं चूक जाते हैं अगले स्टेप में आपको कुछ सम्बंधित अफिलिएट प्रोग्राम ढूंढने की जरूरत है इसमें कुछ की लिस्ट मैं नीचे दूंगा

लेकिन अर्निंग के लिए सबसे ज्यादा गूगल एडसेंस इस्तेमाल किया जाता .है और यह सबसे विश्वसनीय होने के साथसाथ स्पैम-फ्री (Spam-free) भी है. अधिकाँश अफिलिएट प्रोग्राम अविश्वसनीय होने के साथ स्पैम के अड्डे (Spammers) भी हैं, जो आपके पाठक को भ्रमित एवं परेशान करने में कसर नहीं छोड़ते हैं. फिर भी कुछ प्रोग्राम आप और इस्तेमाल कर सकते .हैं अफिलिएट प्रोग्राम में साइनअप करने के बाद अपनी डिटेल भरनी होती ,है अपने ब्लॉग/ वेबसाइट के बारे में डिटेल भरनी होती है गूगल एडसेंस यहाँ बहुत सख्त है, यदि आपका कंटेंट उसकी पॉलिसी के हिसाब से नहीं है तो यह आपके प्रयास को निष्फल कर देगा(हिंदी को यह सपोर्ट नहीं करता है अभी, लेकिन अकाउंट अप्रूव होने के बाद आप विज्ञापन हिंदी वेबसाइट पर डाल सकते हैं). अफिलिएट अकाउंट अप्रूव होने के बाद आपको अपने बैंक अकाउंट की जानकारी देनी होती हैफिर एक निश्चित राशि आपके अफिलिएट अकाउंट में जमा होने पर वह राशि आपके बैंक अकाउंट में ट्रांसफर कर दी जाती है

कुछ महत्वपूर्ण अफिलिएट प्रोग्राम हैं

1. https://www.google.com/adsense/
2. https://www.flipkart.com/affiliate/signup
3. https://affiliate-program.amazon.in/gp/associates/join/landing/main.html
4. http://www.cj.com/
5. http://www.affiliatefuture.co.uk/
6. http://www.paidonresults.com/affiliates-sign-up.html
7. https://www.apple.com/in/itunes/affiliates/
8. http://www.omgpm.com/india/

<u>सावधानी (Precautions)</u>:

- जल्दबाजी करने वाले बहुत जल्दी निराश होकर मैदान से बाहर हो जाते .हैं आपको इस मार्किट को समझने और कुछकमाई के लेवल तक पहुँचने के लिए 6 महीने से 1 साल तक आराम से लग जाएंगे वह भी तब जब आप प्रत्येक दिन 2 घंटे से ज्यादा समय देंगे इसलिए जल्दी है तो यह काम शुरू ही न करें.
- कंटेंट कॉपी, पेस्ट करके आप अपनी मेहनत ही जाया करेंगे़इसका कोई फायदा नहीं. न तो आपका पाठकवर्ग बनेगा, न ही इंटरनेट पर इसे कोई रैंकिंग मिलेगी. बल्कि आपकी वेबसाइट या ब्लॉग की साख ख़राब ही होगी
- थोड़ा बहुत तकनीकि समझ बढ़ाने की कोशिश फायदेमंद रहेगी इस श्रेणी में जैसे किसी वेबसाइट को मैनेज कैसे किया जाय़ऑनपेज एसईओ क्या होता है, टैग, लेवल, इमेज ऑल्ट टेक्स्ट इत्यादि समझने पर बेहतर परिणाम आएंगे (Get Knowledge)
- कभी इस तरह की ग़लतफ़हमी में न फंसे कि यहाँ क्लिक करने ,से वहां क्लिक करने से, मेल करने से आप पैसे कमा लेंगे (Stay away from spammers)
- साथ में कमाने के लिए कहीं भी पेड मेम्बरशिप नहीं लें कई वेबसाइट इस तरह का झांसा देती हैं कि आप यदि इतने डॉलर की मेम्बरशिप लेंगे तो उतना कमा लेंगे. यह बिलकुल फ्रॉड है, झूठा जाल है आपको फंसाने के लिए
- ट्रैफिक बढ़ाने के लिए आप फेसबुक की तरह के दुसरे सोशल नेटवर्क का भी सावधानी से इस्तेमाल कर सकते हैं जैसे ट्विटर, स्टंबलउपॉन, गूगल प्लस आदि. सीरियस होने पर यदि आपको और जानकारी चाहिए़तो आप मुझे कभी भी संपर्क कर सकते हैं (www.mithilesh2020.com)

Thank You for previewing this eBook

You can read the full version of this eBook in different formats:

- HTML (Free /Available to everyone)
- PDF / TXT (Available to V.I.P. members. Free Standard members can access up to 5 PDF/TXT eBooks per month each month)
- Epub & Mobipocket (Exclusive to V.I.P. members)

To download this full book, simply select the format you desire below